गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 174
दि. 26.10.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

प्रधानमंत्री ने नहाय-खाय के पवित्र अनुष्ठान के साथ छठ महापर्व की शुभ शुरुआत पर शुभकामनाएं दीं

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश और दुनिया भर के श्रद्धालुओं को छठ महापर्व के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएँ दीं, जो आज नहाय-खाय की पारंपरिक रस्म के साथ शुरू हो रहा है। प्रधानमंत्री ने सभी व्रतियों की अटूट श्रद्धा को नमन किया और इस चार दिवसीय पर्व के गहन सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला।

श्री मोदी ने छठ की बढ़ती वैश्विक मान्यता को स्वीकार करते हुए कहा कि दुनिया भर में भारतीय परिवार पूरे श्रद्धा भाव से इस अनुष्ठान में भाग लेते हैं।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने छठी मैया को समर्पित एक भक्ति गीत साझा किया तथा सभी को इसकी आध्यात्मिक गूंज में डूबने के लिए आमंत्रित किया।

एक्स पर एक पोस्ट में श्री मोदी ने लिखाः

'नहाय-खाय के पावन अनुष्ठान के साथ आज से चार दिवसीय महापर्व छठ का शुभारंभ हो रहा है। बिहार सहित देशभर के श्रद्धालुओं को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। सभी व्रतियों को मेरा नमन और वंदन!'

'हमारी संस्कृति का यह विराट उत्सव सादगी और संयम का प्रतीक है, जिसकी पवित्रता और नियम-निष्ठा अतुलनीय है। इस पावन अवसर पर छठ के घाटों पर जो दृश्य दिखाई देता है, उसमें पारिवारिक और सामाजिक सद्भाव की अद्भुत प्रेरणा होती है। छठ की प्राचीन परंपरा का हमारे समाज पर बहुत गहरा प्रभाव रहा है।'

'आज विश्व के कोने कोने में छठ को संस्कृति के महाउत्सव के रूप में मनाया जाता है। पूरी दुनिया में रहने वाले भारतवंशी परिवार, इसकी परंपराओं में पूरी आत्मीयता से सम्मिलित होते हैं। मेरी कामना है कि

छठी मइया सबको अपना भरपूर आशीर्वाद दें।'

'छठ महापर्व आस्था, उपासना और प्रकृति प्रेम का एक अनूठा संगम है। इसमें जहां अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाता है, वहीं प्रसाद में भी प्रकृति के विविध रंग समाहित होते हैं। छठ पूजा के गीत और धुनों में भी भक्ति और प्रकृति का अद्भुत भाव भरा होता है।'

'मेरा सौभाग्य है कि कल ही, मुझे बेगूसराय जाने का अवसर मिला था। बिहार कोकिला शारदा सिन्हा जी का बेगूसराय से आत्मीय रिश्ता रहा है। शारदा सिन्हा जी और बिहार के कई लोक कलाकारों ने अपने गीतों से, छठ के उत्सव को एक अलग भाव से जोड़ा है।'

'आज इस महापर्व पर मैं आज आप सभी के साथ छठी मइया के ऐसे गीतों को साझा कर रहा हूं, जिन्हें सुनकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाएगा।

दिल्ली में पीएम मोदी से मिले सीएम योगी आदित्यनाथ, 1 घंटे तक हुई चर्चा

(जीएनएस)।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. इससे पहले उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की थी.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार (25 अक्टूबर) को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. पीएम मोदी और सीएम योगी की ये मुलाकात करीब एक घंटे तक रही. सीएम योगी आदित्यनाथ का गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात का कार्यक्रम बताया जा रहा है.

इससे पहले सीएम योगी ने शनिवार (25 अक्टूबर) को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की थी. इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति को राधा-कृष्ण की प्रतिमा भेंट में दी. जानकारी के मुताबिक, इस मुलाकात में बिहार चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई होगी.

पीएम मोदी से मिले सीएम योगी

सीएम योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय दौरे पर दिल्ली में हैं. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है. बिहार चुनाव को देखते हुए सीएम का यह दौरा राजनीतिक रूप से बेहद अहम माना जा रहा है.

बता दें, सीएम योगी कुछ देर में गृहमंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात कर सकते हैं. कयास लगाए जा रहे हैं कि योगी के इस दौरे पर बिहार चुनाव को लेकर रणनीति पर चर्चा हो सकती है.

सीएम योगी ने जेवर एयरपोर्ट का किया हवाई सर्वेक्षण

नोएडा में बन रहे देश के सबसे बड़े जेवर एयरपोर्ट का भी सीएम ने हेलीकॉप्टर से निरीक्षण किया है. इस दौरान सीएम ने पार्किंग, एयरपोर्ट कनेक्टिविटी और एयरस्ट्रिप निमार्णाधीन टर्मिनल को भी देखा. सीएम इससे पहले एयरपोर्ट के अधिकारियों के साथ बैठक भी कर चुके थे.

बता दें, विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने जेवर एयरोपर्ट के उद्घाटन के लिए 30 अक्टूबर का दिन तय किया है. इस बारे में औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है, इसकी तारीखों में फेरबदल हो सकता है.

जे एण्ड के उपचुनाव में भाजपा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस को क्लीन स्वीप से रोका, उमर अब्दुल्ला ने क्या कहा?

(जीएनएस)।

24 अक्टूबर को मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के वरिष्ठ नेता उमर अब्दुल्ला अपने ऑफिस में पकौड़ों के साथ चाय का आनंद ले रहे थे। उस समय उन्हें पूरी उम्मीद थी कि राज्यसभा की चारों खाली सीटें उनकी पार्टी के हाथ आएंगी।

लेकिन चुनावी प्रक्रिया में भाजपा ने सेंध लगाई और चौथी सीट का नतीजा एनसी के पक्ष में नहीं आया। हालांकि, इस जीत के साथ ही नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर में अपनी राजनीतिक स्थिति और मजबूत कर ली है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस की शानदार जीत

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में राज्यसभा की चार खाली सीटों के लिए मतदान हुआ। इसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस ने तीन सीटों पर जीत हासिल की, जबकि भाजपा को एक सीट मिली। तीन सीटें जीतने के बावजूद उमर अब्दुल्ला पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। विजेताओं को बधाई देते हुए उन्होंने

कहा कि चौथी सीट जीतने के प्रयासों के बावजूद अंतिम समय में उन्हें निराशा का सामना करना पड़ा।

एनसी की जीत उसकी विधानसभा में मौजूद अपनी संख्या और कांग्रेस, पीडीपी और कुछ निर्दलीय उम्मीदवारों के समर्थन के कारण हुई। लेकिन चौथी सीट का सस्पेंस अंतिम क्षण तक बना रहा। अंततः भाजपा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार इमरान नबी डार को हराकर चौथी सीट अपने नाम कर ली।

उमर अब्दुल्ला ने क्या कहा?

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, "हमने 4-1 के हिसाब से जीतने की कोशिश की थी, लेकिन अंतिम चरण में हमें धोखा मिला। मुझे लगता है कि सभी जानते हैं कि ये लोग कौन थे। अगर उन्होंने खुले तौर पर कहा होता कि वे बीजेपी के साथ जाना चाहते हैं, तो स्थिति साफ हो जाती। मैं संतुष्ट हूं कि एनसी के किसी भी वोट का लाभ किसी अन्य उम्मीदवार को नहीं मिला।"

दिल्ली की हवा हुई और खराब, आनंद विहार में गंभीर स्तर, बच्चों और बुजुर्गों को खतरा

दिल्ली की हवा की गुणवत्ता (एक्यूआई) शनिवार को लगातार दूसरे दिन 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। सुबह 8 बजे दिल्ली का AQI 257 रिकॉर्ड किया गया। दिवाली के त्योहार के बाद राजधानी में धुंध और वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि हुई थी, जिसके कारण शहरवासियों को सांस लेने में तकलीफ का सामना करना पड़ा।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को दिल्ली का 24 घंटे का औसत अदक 275 था। राजधानी में वायु प्रदूषण के स्तर के चलते राष्ट्रपति भवन के समीप कार्तव्य पथ पर एंटी-स्मॉग गन से पानी का छिड़काव किया गया। राजधानी के विभिन्न इलाकों में वायु गुणवत्ता इस प्रकार रहीः आनंद विहार में 413 (गंभीर), वजीरपुर 342 (बहुत खराब)।

उत्तराखंड के 25 सालः 1 से 9 नवंबर तक रजत जयंती समारोह, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का तीन दिवसीय दौरा फाइनल

(जीएनएस)।

उत्तराखंड के 25 साल पूरे होने पर 1 से 9 नवंबर तक रजत जयंती समारोह मनाया जा रहा है। जिसमें 3 और 4 नवंबर को उत्तराखंड विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया है। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 2 नवंबर से उत्तराखंड दौरे पर रहेंगी।

राष्ट्रपति इस दौरान पतंजलि व कुमाऊँ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का उत्तराखंड दौरे का कार्यक्रम फाइनल हो गया है। राष्ट्रपति 2 नवंबर को देहरादून पहुंचेंगी। पतंजलि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी। शाम को राष्ट्रपति देहरादून के राजपुर रोड स्थित राष्ट्रपति निकेतन में रात्रि विश्राम करेंगी। अगले दिन 3 नवंबर को राष्ट्रपति मुर्मू उत्तराखंड विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करेंगी। इसी शाम वह नैनीताल के लिए रवाना होंगी और राजभवन नैनीताल में रात्रि प्रवास करेंगी।

4 नवंबर को राष्ट्रपति मुर्मू कैंची धाम के दर्शन करेंगी और इसके बाद कुमाऊँ

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। समारोह में विद्यार्थियों को सम्मानित भी करेंगी। दौरे के समापन पर राष्ट्रपति 4 नवंबर की दोपहर को वापस नई दिल्ली लौट जाएंगी। इस प्रकार राष्ट्रपति मुर्मू का यह तीन दिवसीय दौरा उत्तराखंड के कुमाऊँ और गढ़वाल दोनों अंचलों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राष्ट्रपति के साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी भी उत्तराखंड के रजत जयंती समारोह में शिरकत कर सकते हैं। जो कि 4 नवंबर को उत्तराखंड आ सकते हैं। प्रशासन और पुलिस सुरक्षा को लेकर लगातार तैयारियों में जुटी हुई हैं। उत्तराखंड 9 नवंबर को अपनी स्थापना के 25 साल पूरे करने जा रहा है, ऐसे में राज्य सरकार इसे रजत जयंती के रूप में मनाएगी। इसके लिए 1 नवंबर से 9 नवंबर तक कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

हैदराबाद में जन्मीं गजाला हाशमी बन पाएंगी वर्जीनिया की लेफ्टिनेंट गवर्नर? पाकिस्तानियों की बनीं पसंद!

हैदराबाद में जन्मीं और वर्तमान में वर्जीनिया की स्टेट सीनेटर और पूर्व कॉलेज प्रोफेसर गजाला हाशमी वर्जीनिया के लेफ्टिनेंट गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ रही हैं। उनका अभियान शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और प्रवासी प्रतिनिधित्व पर केंद्रित है, जो दक्षिण एशियाई समुदायों में गूंज रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह इस दौड़ में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी जॉन रीड से आगे चल रही हैं।

'तेजस्वी यादव सीएम बनते ही वक्फ कानून खत्म कर देंगे', आरजेडी एमएलसी के बयान पर भड़की भाजपा ने दिया करारा जवाब

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एडीए गठबंधन और विपक्षी इंडिया गठगंधन में शामिल पार्टियां जोर-शोर से चुनाव प्रचार में जुट चुकी है। चुनावी सभाओं और रैलियों में आरोप--प्रत्यारोप का दौर जारी है। इसी बीच खगड़िया ज़िले के गोगरी में एक जनसभा के दौरान राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के एमएलसी कारी शोएब ने विवादित बयान दे डाला है। जिसके बाद तेजस्वी यादव की पार्टी भाजपा के निशाने पर आ चुकी है।

दरअसल, कारी शोएब ने कहा बिहार चुनाव जीत कर अगर तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनते हैं, तो वक्फ कानून को खत्म कर दिया जाएगा। इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और भाजपा भड़क उठी है।

गौरतल है कि वक्फ बोर्ड में अनियमिताओं और घोटाले पर लगाम कसने के लिए वक्फ संशोधन बिल पारित कर दिया है। जिसके विरोध में मुस्लिम समुदाय द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किए गए मामला विचाराधीन है। इस वक्फ बोर्ड को लेकर जेडीयू के नेता शोएब ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बयान दिया है।

शोएब ने यह घोषणा तेजस्वी यादव की मौजूदगी में मंच से की वह खगड़िया की परबत्ता विधानसभा सीट से आरजेडी प्रत्याशी डॉ. संजीव कुमार के समर्थन में आयोजित चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे. इस दौरान आरजेडी के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे।

'तेजस्वी सीएम बनते ही वक्फ बोर्ड कानून खत्म करेंगे'

कारी शोएब ने अपने संबोधन में कहा, "जो लोग वक्फ बिल का समर्थन कर रहे हैं, उनका इलाज करना है। अगर तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनते हैं तो हम वक्फ कानून खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा तेजस्वी सीएम बनते ही सारे वक्फ बिल फाड़ कर फेंक देंगे।

भाजपा के बहकावे में न आए

वायरल वीडियो में कारी शोएब आगे कहते हुए दिख रहे हैं, "साथियों, तेजस्वी जी को मुख्यमंत्री बनाइए। हमारे बड़े भाई संजीव कुमार को जब आप विधायक बनाएंगे, तो वो विधायक नहीं, तेजस्वी यादव जी मुख्यमंत्री बनेंगे। मैं समाज के सभी लोगों से कहना चाहता हूं कि भाजपा के बहकावे में न आए जिन लोगों ने वक्फ बिल का समर्थन किया, उनका इलाज करना है।"

देश को बचाने के लिए लालटेन को जिताइए

आजेडी नेता ने कहा, "जेडीयू-एलजेपी ये सब विरोधी हैं। बिहार और देश को बचाने के लिए इस लालटेन छाप (आरजेडी का चुनाव चिह्न) को यहां जिताइए। तेजस्वी यादव जी मुख्यमंत्री बनेंगे. सारे बिल फाड़ के फेंक दिए जाएंगे, चाहे वो वक्फ बिल हो या कोई और बिल।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने शांति वार्ता के बीच अफगानिस्तान को दी चेतावनी- शांति नहीं तो होगा खुला युद्ध

(जीएनएस)।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने अफगानिस्तान के साथ चल रही बातचीत में समझौते पर पहुंचने में विफल रहने पर 'खुले युद्ध' की चेतावनी दी है। यह टिप्पणी शनिवार को इस्तांबुल में हुई दूसरे दौर की वार्ता के दौरान सामने आई।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने आसिफ के हवाले से कहा, "देखिए, अफगानिस्तान शांति चाहता है, लेकिन समझौता न हो पाने का मतलब खुला युद्ध है।" इन वाताओं का लक्ष्य सुरक्षा चिंताओं को दूर करना और दो सप्ताह के तीव्र संघर्ष के बाद साझा सीमा पर स्थायी संघर्ष विराम स्थापित करना है।

पाकिस्तान के अखबार डॉन के अनुसार, यह बातचीत तुर्की के इस्तांबुल में शनिवार को शुरू हुई। केंद्रीय काबुल में हुए विस्फोटों के बाद संघर्ष शुरू हुआ, जिसमें दर्जनों नागरिक मारे गए। तालिबान सरकार ने इन विस्फोटों का आरोप पाकिस्तान पर लगाया था, जिसके जवाब में सीमा पर जवाबी हमले हुए।

शुरूआत में दोनों पक्ष युद्धविराम पर सहमत हुए थे, लेकिन काबुल ने इस्लामाबाद को दोषी ठहराते हुए इसे कुछ ही दिनों में तोड़ दिया। कतर और तुर्की की मध्यस्थता से रविवार को एक दूसरा युद्धविराम कराया गया, जो अभी तक बरकरार दिख रहा है।

एएफपी के मुताबिक, शनिवार की इस्तांबुल चचाओं में, वातार्काारों से दोहा वार्ता के दौरान घोषित स्थिरता बनाए रखने के लिए "तंत्र" की रूपरेखा तैयार करने की उम्मीद है। बातचीत के समय और सटीक स्थान का तुरंत खुलासा नहीं किया गया है।

अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व उप आंतरिक मंत्री हाजी नजीब कर रहे हैं, जो शुक्रवार को तुर्की पहुंचे थे। पाक न्यूज आउटलेट द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया कि पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व सुरक्षा अधिकारियों के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा किया जा रहा है।

अफगानिस्तान के प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने शुक्रवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "इस्लामिक अमीरात का प्रतिनिधिमंडल, सम्मानित उप आंतरिक मंत्री, हाजी नजीब के नेतृत्व में, कुछ दिन पहले हुए दोहा समझौते के बाद तुर्की के लिए रवाना हो गया है। इस बैठक में शेष मुद्दों पर चर्चा होगी।"

तालिबान सरकार अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना चाहती है, जबकि पाकिस्तान का जोर है कि बातचीत में "अफगान धरती से पाकिस्तान की ओर निकलने वाले आतंकवाद के खतरे" को संबोधित किया जाना चाहिए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर हुसैन अंद्राबी ने कहा।

सम्पादकीय

पीओके में सेना और पुलिस द्वारा बर्बरता की जमकर निन्दा

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान द्वारा पाक अधिवृत कश्मीर यानि पीओके में उसकी सेना और पुलिस द्वारा बर्बरता की जमकर निन्दा की।

किन्तु हैरानी की बात यह है कि भारत के स्थाई प्रातिनिधि ने पाकिस्तान की निन्दा तब की जब उसने 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के स्थाई प्रातिनिधि ने भारत पर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों द्वारा दमन का आरोप लगाया तब जाकर भारत के स्थाई प्रातिनिधि हरीश पर्वत नेनी ने ह्यराइट टू रिप्लाई' का इस्तेमाल करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग भारत की लोकतांत्रिक परम्पराओं और संवैधानिक ढांचे के अनुरूप अपने मौलिक अधिकारों का उपयोग करते हैं लेकिन ये अधिकार आज भी पाकिस्तान के लिए एक अजनबी अवधारणा है। उन्होंने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। यह न पहले बदला था और न अब बदलेगा और न ही कभी बदलेगा। हमारे स्थाई प्रातिनिधि पाकिस्तान द्वारा पाक अधिवृत कश्मीर में 29 सितम्बर को जनाव्रोश के दौरान पुलिस और सेना से गोलियों से मारे गए 12 निदरेष नागरिकों की नृशंस हत्या पर जमकर लताड़ लगाई। हमारे स्थाई प्रातिनिधि द्वारा पीओके की जनता सैन्य उत्पीड़न और संसाधनों के अवैध दोहन के खिलाफ खुलेआम सड़कों पर विद्रोह का मुद्दा तो उठाया किन्तु ऐसा तब किया जब पाकिस्तान ने भारत के जम्मूकश्मीर में झूठा आरोप लगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के मंच का दुरुपयोग कर लिया।

दरअसल 29 सितम्बर को प्राचण्ड जनाव्रोश के दौरान पुलिस और फौज की गोलियों से पीओके में मात्र 12 लोग ही नहीं मरे थे बल्कि गंभीर रूप से घायलों की संख्या लगभग 200 है। पीओके के लोगों की मांग थी कि उनकी विधानसभा की 12 आरक्षित सीटें खत्म कर दी जाएं क्योंकि इतनी सीटों के आरक्षण के बाद तो उनके विधानसभा में पीओके के स्थानीय निवासियों के लिए सीटें तो बचती ही नहीं है। पीओके में न तो बिजली है और न ही पानी की व्यवस्था है। सार्वजनिक यातायात की हालत यह है कि सड़वें बनी ही नहीं, अंग्रोजों के जमाने की बनी सड़वें भी टूटी हालत में बेहाल पड़ी हैं। भारत की तरफ के जम्मू-कश्मीर में सड़वें, रेलवे लाइन और एयरपोर्ट की हालत भारत के अन्य क्षेत्रों की तरह ही काफी संख्या में है। जम्मू-कश्मीर में देशी व विदेशी निवेश हो रहा है और वहां का पर्यंटन उद्योग भारत के अन्य राज्यों की अपेक्षा काफी समृद्ध है। जम्मूकश्मीर में होटलों की संख्या इतनी ज्यादा है कि पर्यंटकों को ढांचागत सुधार की जरूरत का एहसास नहीं होता। 2019 के पहले तो राज्य में वुछ शरारती तत्वों द्वारा वैलेंडर जारी करके युवाओं से पत्थरबाजी कराई जाती थी। अब वही युवक वैमरे के सामने कहते सुने जा सकते हैं कि 500 रुपए में वे पत्थरबाजी करने के लिए कम से कम एक सप्ताह तक आल पाटा हुर्रियत कांप्रोंस के वैलेण्डर की प्रातीक्षा करते थे और अब हजारों रुपए वे प्रातिदिन कमा रहे हैं क्योंकि राज्य में पर्यंटन उद्योग एक बार फिर से चल पड़ा है। जम्मू-कश्मीर में सेना और पुलिस एक सुनिाित दायरे में ही अपने अधिकारों का इस्तेमाल करके अपराधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करती हैं। वेंद्र शासित प्रादेश होने के कारण नई दिल्ली खुद ही इस संवेदनशील मुद्दे को बड़ी सतर्वता एवं सहजता से हल करती है। भारत में जम्मू-कश्मीर में सेना या पुलिस को वहां की जनता अपनी रक्षक मानती है। इस राज्य में सेना के अस्पतालों में आम नागरिक अपने नियमित इलाज कराते हैं और वहीं से उन्हें दवाएं भी दी जाती हैं। सेना अपने स्वूलों में जम्मू-कश्मीर के लोगों के बच्चों को निःशुल्क प्रावेश देती है। यही नहीं इस राज्य के सरकारी स्वूलों और अस्पतालों की संख्या देश के किसी अन्य राज्य से कम नहीं है। जम्मू में भी आईआईटी और आईआईएम बने हैं और कश्मीर में भी ये दोनों उच्च शैक्षिक संस्थान हैं। दोनों ही रीजन में प्रातिष्ठित विश्वविद्यालय हैं। मतलब यह कि जो भी मानवीय सुविधाएं देश के दूसरे राज्यों को उपलब्ध कराई जाती हैं, वही सुविधाएं जम्मू-कश्मीर को भी मिलती हैं।

पीएम मोदी के मलेशिया नहीं जाने पर हो रही है ऐसी चर्चा

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशियन नेशन्स (आसियान) समिट में शामिल होने मलेशिया नहीं जाएंगे. पीएम मोदी इस समिट में वर्चुअली जुड़ेंगे.

पीएम मोदी की जगह भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर इस समिट में हिस्सा लेंगे. यह समिट मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में 26 से 28 अक्तूबर तक है.

इस समिट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अलावा जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा और दक्षिण अफ़्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा भी शामिल होंगे.

दूसरी तरफ इस समिट में पीएम मोदी के अलावा चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन नहीं शामिल होंगे.

ट्रंप का एशिया दौरा रविवार को मलेशिया से शुरू हो रहा है, जो जापान के बाद दक्षिण कोरिया में खत्म होगा. दक्षिण कोरिया में आयोजित एशिया पैसिफिक इकनॉमिक कोऑपरेशन (एपीईसी) समिट में ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हो सकती है.

ट्रंप अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति हैं, जो मलेशिया दौरे पर जा रहे हैं. ट्रंप से पहले बराक ओबामा और लिंडन बी जॉनसन ने मलेशिया का दौरा किया था.

भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, "प्रधानमंत्री मोदी आसियान समिट में 26 अक्तूबर को वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे. वहीं 27 अक्तूबर को मलेशिया में आयोजित 20वें ईस्ट एशिया सम्मेलन में एस जयशंकर पीएम मोदी का प्रतिनिधित्व करेंगे."

पीएम मोदी के मलेशिया नहीं जाने का मतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उनकी आमने-सामने की मुलाकात नहीं होगी.

पीएम मोदी वैश्विक आयोजनों से दूर रहने के लिए नहीं जाने जाते हैं. कुआलालंपुर समिट में पीएम मोदी के नहीं जाने को असामान्य फैसले के रूप में भी देखा जा रहा है.

2020 और 2021 में कोविड महामारी के कारण पीएम मोदी आसियान समिट में वर्चुअली शामिल हुए थे जबकि 2022 में भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उनका प्रतिनिधित्व किया था.

इसके अलावा 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से नरेंद्र मोदी खुद सभी आसियान समिट में शामिल हुए हैं. यहाँ तक कि 2023 में भारत में आयोजित जी-20 समिट से ठीक पहले मोदी जकार्ता में आयोजित आसियान समिट में शरीक हुए थे.

हाल के महीनों में पीएम मोदी ने कुछ वैश्विक आयोजनों से दूरी बनाई है. इससे पहले मिस्र के शर्म अल-शेख शहर में आयोजित गजा शांति सम्मेलन से दूर रहे थे.

भारतीय मीडिया में खबरें चल रही थीं कि सितंबर महीने में पीएम मोदी न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे और राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात करेंगे लेकिन पीएम मोदी ने इससे भी दूरी बनाई थी और यूएनजीए को एस जयशंकर ने संबोधित किया था.

विपक्षी दल कांग्रेस ने पीएम मोदी के मलेशिया नहीं जाने के फैसले पर सवाल उठाया है. कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का 'सामना नहीं करना चाह रहे' हैं.

जानकार आसियान में पीएम मोदी के शामिल न होने को अमेरिका से दूरी बनाए रखने की 'सोची-समझी' रणनीति बता रहे हैं.

क्या है वजह?

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से हुई बातचीत का ज़िक्र करते हुए पीएम मोदी ने गुरुवार को एक्स पर लिखा, "आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल रूप से शामिल होने और आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की प्रतीक्षा कर रहा हूँ."

अनवर ने भी कहा कि मोदी उस समय भारत में चल रहे दीपावली उत्सव के कारण इस बैठक में वर्चुअल रूप से शामिल होंगे.

आसियान सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मलेशिया नहीं जाने के फैसले पर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं.

जयराम रमेश ने कहा, "सोशल मीडिया पर राष्ट्रपति ट्रंप की तारीफ में पोस्ट करना एक बात है लेकिन उनसे आमना-सामना करना दूसरी बात है."

उन्होंने एक्स पर लिखा, "पीएम मोदी के मलेशिया नहीं जाने की वजह

साफ है, वह राष्ट्रपति ट्रंप के सामने नहीं आना चाहते, जो वहां मौजूद होंगे. उन्होंने कुछ हफ़्ते पहले मिस्र में गजा शांति शिखर सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण भी इसी वजह से ठुकरा दिया था."

सामरिक मामलों के जाने-माने विश्लेषक ब्रह्मा चेलानी ने एक्स पर लिखा, "प्रधानमंत्री मोदी का ट्रंप की मौजूदगी वाले आसियान शिखर सम्मेलन में शामिल न होने का फैसला इस रूप में देखा जा रहा है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति से दूरी बनाए रखना चाहते हैं. ट्रंप ने भारत पर ऊँचे टैरिफ और अप्रत्यक्ष प्रतिबंधों के जरिए दबाव बनाए रखा है. माना जा रहा है कि मोदी ट्रंप से मुलाकात तभी करना चाहेंगे जब ट्रेड डील का मसौदा तैयार हो जाएगा, उससे पहले नहीं."

वॉशिंगटन डीसी स्थित विल्सन सेंटर के निदेशक माइकल कुगलमैन का कहना है कि अब ट्रेड डील के जरिए ही दोनों देशों के बीच भरोसा बहाल हो सकता है.

उन्होंने एक्स पर लिखा, "मोदी के आसियान शिखर सम्मेलन में शामिल न होने और मोदी-ट्रंप मुलाकात के न होने से स्थिति फिर पहले जैसी हो गई है. अमेरिका और भारत के रिश्तों को नई शुरूआत देने का सबसे अच्छा मौका अब एक व्यापार समझौता ही है (जो जल्द होने की उम्मीद है). यह ऐसा भरोसा बहाल करने वाला कदम होगा, जिससे पिछले कई महीनों से चल रहे तनाव में कुछ नरमी आ सकती है."

अमेरिका और भारत कई महीनों से व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, लेकिन ये बातचीत जटिल हो गई है क्योंकि भारत ने रूस से तेल आयात बढ़ा दिया था.

इसी वजह से अमेरिका ने अगस्त में भारतीय सामानों पर 25 फीसदी का टैरिफ लगा दिया, जिससे कुल टैरिफ बढ़कर 50 फीसदी हो गया है. अमेरिकी फैसले के जवाब में भारत के विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था, 'यह कार्रवाई अनुचित, अकारण और तर्कहीन है.'

भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने पीएम मोदी के इस फैसले को सही ठहराया है.

उन्होंने लिखा, "अगर पीएम मोदी कुआलालंपुर जाते तो ट्रंप के साथ बैठक करनी पड़ती. ट्रंप की अप्रत्याशित और बेतुकी बातें राजनीतिक जोखिम पैदा करती हैं."

कंवल सिब्बल ने कहा कि जब तक अमेरिका से व्यापार समझौता नहीं हो जाता, ट्रंप से मिलने से बचना ही बेहतर है.

'प्रधानमंत्री शायद वो जोखिम नहीं लेना चाहते'

प्रोफेसर हर्ष वी पंत नई दिल्ली स्थित ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के अध्ययन और विदेश नीति विभाग के उपाध्यक्ष हैं.

बीबीसी संवाददाता अभय कुमार सिंह से बातचीत में वे कहते हैं कि यह कोई अचानक लिया गया या रहस्यमय फैसला नहीं है.

हर्ष वी. पंत कहते हैं, "भारत और अमेरिका के बीच इस समय ट्रेड वार्ता चल रही है. ऐसे में राष्ट्रपति ट्रंप हर तरह का दबाव बनाने की रणनीति अपनाते हैं. वह बातचीत में हर चीज का इस्तेमाल करते हैं ताकि अपने पक्ष को मजबूत कर सकें."

उनका कहना है कि अगर प्रधानमंत्री ट्रंप से सीधे मिलते, तो वो अपने आप को "एक तरह से उन प्रेशर पॉइंट्स के लिए ओपन" कर देते.

"अगर सीधी वार्ता होती है और वो (ट्रंप) सार्वजनिक तौर पर कुछ कह देते हैं, तो वहाँ आप क्या जवाब दे पाएंगे?"

हर्ष वी. पंत मानते हैं कि यह फैसला रणनीतिक रूप से सोचा-समझा गया कदम है. उनका कहना है, "जब तक ट्रेड एग्रीमेंट पर कोई ठोस नतीजा नहीं निकलता, तब तक ट्रंप जैसे नेता से सीधा जुड़ाव रखना जोखिम भरा हो सकता है. प्रधानमंत्री शायद वही जोखिम नहीं लेना चाहते."

पंत कहते हैं, "अगर हमारे और अमेरिका के बीच कुछ दिक्कतें चल रही हैं और बातचीत जारी है, तो भारत को खुद को ऐसे मौकों पर एक्सपोज क्यों करना चाहिए? प्रधानमंत्री वहाँ सार्वजनिक रूप से उनके साथ होंगे तो ट्रंप कुछ भी कह सकते हैं और वो ऐसे बयानों के लिए जाने जाते हैं. प्रधानमंत्री खुद को उस तरह की सार्वजनिक असहजता के लिए क्यों खुला रखें?"

"ऐसे में जब कोई नेता इतना अप्रत्याशित हो, तो सार्वजनिक तौर पर सीमित बातचीत रखना ही समझदारी है. जब तक ट्रेड एग्रीमेंट्स पर सहमति नहीं बन जाती, तब तक उनसे बचना ही बेहतर है."

अगले महीने दक्षिण अफ़्रीका में जी-20 समिट है और पीएम मोदी के इस समिट में शामिल होने की पूरी संभावना है.

ट्रंप ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह इस समिट में नहीं जाएंगे. ट्रंप का कहना है कि दक्षिण अफ़्रीका की नीतियां बहुत खराब हैं. इसी साल भारत में क्वॉड समिट होना था लेकिन अब तक हुआ नहीं. यानी इस साल पीएम मोदी और ट्रंप के बीच एक और मुलाकात होती नहीं दिख रही है.

कैबिनेट सचिव, डॉ. टी. वी. सोमनाथन ने बंगाल की खाड़ी में आने वाले चक्रवात की तैयारियों की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) की बैठक की अध्यक्षता की

कैबिनेट सचिव डॉ. टी. वी. सोमनाथन ने बंगाल की खाड़ी में आज आने वाले चक्रवात की तैयारियों की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) की बैठक की अध्यक्षता की।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने समिति को दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने दबाव के क्षेत्र की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी। यह दबाव पिछले 6 घंटों के दौरान 7 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से लगभग पश्चिम की ओर बढ़ गया है और 25 अक्टूबर 2025 को भारतीय समय के अनुसार 11:30 बजे तक चेन्नई (तमिलनाडु) से 950 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व, विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) से 960 किलोमीटर दक्षिणपूर्व, काकीनाडा (आंध्र प्रदेश) से 970 किलोमीटर दक्षिणपूर्व और गोपालपुर (ओडिशा) से 10:30 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में केंद्रित है। इसके लगभग पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने, 26 तारीख तक एक गहरे दबाव में बदलने और 27 तारीख की सुबह तक दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। इसके बाद, इसके उत्तर-पश्चिम की ओर, फिर उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 28 अक्टूबर की सुबह तक एक भीषण चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए, इसके 28 अक्टूबर की शाम/रात के दौरान एक भीषण चक्रवाती तूफान के रूप में मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच काकीनाडा के आसपास आंध्र प्रदेश के तट को पार करने की प्रबल संभावना है। इस चक्रवाती तूफान की अधिकतम गति 90-100 किलोमीटर प्रति घंटा से लेकर 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक हो सकती है।

तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पुद्दुचेरी के मुख्य सचिवों और ओडिशा के अपर मुख्य सचिव ने समिति को चक्रवाती तूफान के संभावित मार्ग में लोगों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे तैयारी संबंधी उपायों और स्थानीय प्रशासन द्वारा उठाए जा रहे एहतियाती कदमों से अवगत कराया। समिति के ध्यान में यह भी लाया गया कि पर्याप्त आश्रय और निकासी व्यवस्था की गई है और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की आवश्यक टीमों को रैयार रहने को कहा गया है। जिला नियंत्रण कक्ष भी सक्रिय हैं और स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे 26 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक दक्षिण-पश्चिम, बंगाल की खाड़ी से सटे मध्य क्षेत्र, तमिलनाडु के साथ-साथ, आंध्र प्रदेश और यनम (पुद्दुचेरी) और ओडिशा के तट के आस-पास न जाएं। जो लोग समुद्र में हैं उन्हें तुरंत तट पर लौटने की सलाह दी गई है।

बैठक में भाग लेने वाले केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों ने समिति को बताया कि सभी मानक संचालन प्रक्रियाएँ लागू हैं, आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए गए हैं और चक्रवात के प्रभाव से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए एहतियाती उपाय किए गए हैं।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने अपनी टीमें तैयार रखी हैं और 26 अक्टूबर तक इन्हें तैनात कर दिया जाएगा। एनडीआरएफ ने अतिरिक्त टीमों तैयार रहने को कहा है। सेना, नौसेना, वायु सेना और भारतीय तटरक्षक बल की बचाव और राहत टीमों को उनके जहाजों और विमानों के साथ तैयार रखा गया है। भारतीय तटरक्षक बल अब तक 900 से अधिक जहाजों को घाट/तट तक पहुँचा चुका है, और शेष को तट पर लौटने के लिए सतर्क कर दिया गया है। केंद्रीय गृह सचिव ने कहा कि गृह मंत्रालय, एनडीएमए और आईएमडी लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और मंत्रालयों/विभागों/राज्य सरकारों और एजेंसियों के साथ समन्वय कर रहे हैं।

कैबिनेट सचिव ने आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु और पुद्दुचेरी की केंद्रीय एजेंसियों और सरकारों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जोर देकर कहा कि हमारा लक्ष्य जान-माल की हानि को शून्य रखना और संपत्ति तथा बुनियादी ढाँचे को न्यूनतम क्षति पहुँचाना होना चाहिए। क्षति की स्थिति में, आवश्यक सेवाओं को यथाशीघ्र बहाल किया जाना चाहिए।

महिला वर्ल्ड कप में भारत के सामने सेमीफाइनल की टीम तय, कब और किसके खिलाफ होगा मुकाबला?

(जीएनएस)।

महिला वर्ल्ड कप अब अपने अंतिम चरण की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। सेमीफाइनल मैचों के लिए चार टीमों का निर्धारण पहले ही हो गया था। भारतीय टीम के अलावा दक्षिण अफ़्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को अंतिम चार में जाने का मौका मिला है।

लीग चरण में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका का मैच समाप्त होने के बाद यह तय हो गया कि सेमीफाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला किससे होना है। इस आर्टिकल में मैच की डेट्स और वेन्यू से लेकर तमाम जानकारी दी गई है।

मैच की पूरी जानकारी

मुकाबलाः भारत महिला बनाम ऑस्ट्रेलिया महिला (सेमीफाइनल)

तारीखः 30 अक्टूबर 2025

समयः दोपहर 3:00 बजे (भारतीय समय)

स्थानः डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी, नवी मुंबई

हेड टू हेड की बात करें, तो ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा यहां भारी है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच अब तक वनडे में 60 मुकाबले खेले गए हैं और ऑस्ट्रेलिया ने इनमें 49 मुकाबलों में जीत दर्ज की है। भारतीय टीम को महज 11 मैचों में जीत हासिल हुई है। हालांकि आंकड़े ऑस्ट्रेलिया की तरफ झुके हुए हैं लेकिन भारतीय टीम की क्षमता पर शक नहीं किया जा सकता है। अगर भारतीय टीम सभी विभागों में अच्छा करती है, तो ऑस्ट्रेलिया को पटखनी दे सकती है।

भारत के लिए क्या है प्लस पॉइंट

भारतीय टीम के लिए प्लस पॉइंट यह है कि अपना पिछला मैच ही डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में खेला है। वहां न्यूजीलैंड के सामने भारतीय टीम ने धमाल मचा दिया था। स्मृति मंधाना और प्रतिका के बल्ले से शतक देखने को मिले थे। ऐसे में भारतीय टीम के पास पिच और ग्राउंड डायमेंशन की जानकारी अच्छी तरह है।

हरमनप्रीत कौर अगर टॉस जीतने में कामयाब रहती है, तो पहले बैटिंग करने का फैसला लिया जा सकता है क्योंकि सेमीफाइनल जैसे बड़े मैच में दबाव रहता है और लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल काम हो जाता है।

कैसे बुर्के में छुपकर लादेन ने अमेरिकी सेना को दिया था चकमा! एक्स सीआईए अधिकारी ने बताई पूरी कहानी

(जीएनएस)।

एक चौंकाने वाले नए खुलासे में, CIA के एक पूर्व अधिकारी जॉन किरियाकौ ने दावा किया है कि 9/11 के आतंकवादी हमलों का मास्टरमाइंड और दुनिया का मोस्ट वॉन्टेड आतंकवादी ओसामा बिन लादेन, अमेरिकी सेना से बचने के लिए महिला के भेष में अफगानिस्तान से भाग गया था। किरियाकौ ने एएनआई समाचार एजेंसी को दिए एक विशेष साक्षात्कार में यह बात कही।

कौन हैं उक्अ के अधिकारी किरियाकौ?

किरियाकौ, जिन्होंने 15 साल तक उक्अ में सेवा की और पाकिस्तान में उक्अ के एंटी टेररिस्ट ऑपरेशन के प्रमुख थे, ने बताया कि वे इस बात से अनजान थे कि सेंट्रल कमांड के कमांडर का अनुवादक वास्तव में एक अल-कायदा ऑपरेटिव था, जिसने अमेरिकी सेना में घुसपैठ की थी।

तोरा बोरा में ओसामा को पकड़ने की योजना

उन्होंने कहा, "हमें लगा था कि हमने तोरा बोरा में ओसामा बिन लादेन और अल-कायदा के नेतृत्व को घेर लिया है। हमें नहीं पता था कि सेंट्रल

कमांड के कमांडर के लिए ट्रांसलेटर का काम करने वाला असल में एक अल-कायदा ऑपरेटिव था जिसने अमेरिकी सेना में घुसपैठ की थी।"

किरियाकौ ने बताया कि उन्होंने बिन लादेन से आत्मसमर्पण करने को कहा, जिस पर उस ट्रांसलेटर के जरिए उसने सुबह तक का समय मांगा, यह कहते हुए कि वे महिलाओं और बच्चों को निकालना चाहते हैं। उस ट्रांसलेटर ने जनरल फ्रैंक्स को इस शर्त को मंजूरी देने के लिए मना लिया।

धोखा और फरारी की कहानी

किरियाकौ के अनुसार, जब सुबह हुई, तो अमेरिकी सैनिकों को पता चला कि उन्हें धोखा दिया गया है; तोरा बोरा की गुफाएँ खाली थीं। बिन लादेन एक महिला के वेश में (संभवतः बुर्का पहनकर), अंधेरे का फायदा उठाकर एक पिकअप ट्रक में पाकिस्तान भाग गया। इसके बाद बिन लादेन लगभग एक दशक तक पाकिस्तान में छिपा रहा, जब तक कि 2011 में एबटाबाद में एक अमेरिकी नेवी सील के छापे में उसे मार नहीं दिया गया।

अमेरिका-पाकिस्तान की खुफिया करीबी

यह जानकारी किरियाकौ ने 9/11 के आतंकवादी हमले के बाद तोरा बोरा पहाड़ों में अल-कायदा आतंकवादियों को घेरने और उनके पाकिस्तान भागने, तथा अमेरिका और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के बीच घनिष्ठ संबंधों से संबंधित एक सवाल का जवाब देते हुए दी थी। अमेरिका ने बाद में मई 2011 में उत्तरी पाकिस्तान के एबटाबाद शहर में ओसामा बिन लादेन का पता लगाया। 2 मई को अमेरिकी स्पेशल फोर्सेस ने उसके सुरक्षित ठिकाने पर छापा मारकर उसे मार गिराया।

मुशर्रफ और अमेरिका की 'डील'

तत्कालीन पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ का जिक्र करते हुए, किरियाकौ ने कहा कि उन्होंने "राष्ट्रपति मुशर्रफ को खरीदा लिया था" और "मुशर्रफ वह हमें वही करने देते थे जो हम करना चाहते थे।"

उन्होंने आगे कहा, "पाकिस्तान सरकार के साथ हमारे संबंध बहुत अच्छे थे। उस समय जनरल परवेज मुशर्रफ थे। आइए ईमानदार रहें, संयुक्त राज्य अमेरिका को तानाशाहों के साथ काम करना पसंद है।"

अमेरिका की नीतियों पर तीखी टिप्पणी

किरियाकौ ने स्पष्ट किया कि "हमें जनता की राय की चिंता नहीं करनी पड़ती, और मीडिया की भी चिंता नहीं करनी पड़ती।" उन्होंने बताया, "हमने लाखों-करोड़ों डॉलर की सहायता दी, चाहे वह सैन्य सहायता हो या आर्थिक विकास सहायता।

विराट कोहली ने सिडनी में रचा इतिहास, दिग्गज खिलाड़ी को पछाड़ बनाया खास रिकॉर्ड

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी मैच में कमाल की बल्लेबाजी की। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में दूसरे वनडे के दौरान विराट कोहली ने एक और ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया है। वह अब वनडे क्रिकेट के इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

कुमार संगकारा को छोड़ा पीछे इस मैच में उन्होंने श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा के 14,234 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। अब इस फॉर्मेट में रनों के मामले में उनसे आगे सिर्फ क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ही खड़े हैं। सिडनी में कदम रखने से पहले कोहली लगातार दो मैचों में शून्य (डक) पर आउट हुए थे, जिससे उनकी फॉर्म पर सवाल उठ रहे थे। संगकारा का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए उन्हें 54 रनों की जरूरत थी।

हालांकि पारी की शुरूआत में वह थोड़े असहज लगे, लेकिन जल्द ही विराट कोहली अपनी पुरानी लय में लौट आए और आसानी से सिंगल-डबल्स लेना शुरू कर दिया। उन्होंने अपनी पारी के 32वें ओवर में एक सिंगल लेकर यह रिकॉर्ड तोड़ दिया। शुभमन गिल के 24 रन पर आउट होने के बाद 11वें ओवर में मैदान पर आए कोहली ने अपना पहला रन लेते ही खुद को एक मुट्ठी बंद करके बधाई दी।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पश्चिम रेलवे द्वारा दिवाली एवं छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु व्यापक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित

मुंबई, भारतीय रेल द्वारा दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की सुविधा और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। यात्रा की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए देशभर में हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों के 12,000 से अधिक फेरे चलाए जा रहे हैं। यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, पेयजल और स्वच्छता व्यवस्था जैसी अतिरिक्त सुविधाएँ प्रदान की गई हैं। इस व्यस्त अवधि के दौरान सुचारू परिचालन और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए लगभग 12 लाख रेलवे कर्मचारी चौबीसों घंटे अथक परिश्रम कर रहे हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे द्वारा भी त्योहारों के दौरान होने वाली भीड़ को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए कई सक्रिय कदम उठाए गए हैं। त्योहारी सीजन के दौरान भारी मांग को पूरा करने के लिए 80 जोड़ी से अधिक स्पेशल ट्रेनों के लगभग 2,500 फेरे परिचालित किए जा रहे हैं। इनमें से अधिकांश ट्रेनें उत्तर भारत की ओर जाती हैं, जो मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, बिहार और पड़ोसी राज्यों की यात्रा करने वाले यात्रियों को सेवाएँ प्रदान करती हैं। इनमें से लगभग 1,630 फेरे गुजरात से, 752 फेरे महाराष्ट्र से और 90 फेरे मध्य प्रदेश से हैं।

उधना/सूरत से उत्तर प्रदेश और बिहार सहित देश के विभिन्न हिस्सों के लिए चलने वाली स्पेशल ट्रेनों में यात्री यातायात में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। पिछले वर्ष त्योहारी अवधि की तुलना में जब 93 यात्राएं अधिसूचित की गई थीं और लगभग 1.49 लाख यात्रियों को ले जाया गया था (09.10.2024 से 08.11.2024 तक), इस वर्ष के त्योहारी सीजन (28.09.2025 से 28.10.2025 तक) में 128 फेरे अधिसूचित की गई हैं, जिनमें 2 लाख से अधिक यात्रियों को ले जाया गया। इन स्पेशल ट्रेनों ने अपने गंतव्य तक जाने वाले यात्रियों को एक सुविधाजनक और परेशानी मुक्त यात्रा का अनुभव प्रदान किया है। यह ध्यान देने योग्य है कि यात्री यातायात में वृद्धि को देखते हुए 19 अक्टूबर, 2025 को यात्रियों की सुविधा के लिए 10 स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं।

इस भीड़ को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए उधना स्टेशन पर कई बुनियादी ढाँचे में सुधार और यात्री-अनुकूल सुविधाएँ विकसित की गई हैं। उधना (पूर्व) के नए उन्नत उच्चस्तरीय प्लेटफॉर्म संख्या 6 पर यात्रियों के लिए चढ़ने की सुविधा में सुधार किया है। स्टेशन के पहुँच मार्ग को सकुर्लेटिंग और होल्डिंग ऐरिया से जोड़ने के लिए 700 मीटर लंबी कंक्रीट सड़क का निर्माण किया गया है। दो विशाल होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं – एक पश्चिम की ओर लगभग 1,000 यात्रियों के लिए और दूसरा पूर्व की ओर 1,500 यात्रियों के लिए। ये होल्डिंग एरिया पर्याप्त बैठने की जगह, पेयजल नल, रोशनी, पंखे, शौचालय, सीसीटीवी निगरानी और एक सार्वजनिक घोषणा प्रणाली से सुसज्जित हैं।

टिकटिंग को तेज और आसान बनाने के लिए अतिरिक्त बुकिंग काउंटर, एटीवीएम और हैंड-हेल्ड टिकटिंग टर्मिनल शुरू किए गए हैं। मोबाइल यूटीएस सुविधा भी शुरू की गई है, जिससे बुकिंग कर्मचारी कतार में प्रतीक्षा कर रहे यात्रियों को टिकट जारी कर सकेंगे। प्लेटफॉर्म के बीच सुचारू आवाजाही के लिए पूर्वी स्टेशन भवन में एक नया एस्केलेटर और अतिरिक्त सीढ़ियाँ लगाई गई हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए निःशुल्क पेयजल और पर्याप्त शौचालय की भी व्यवस्था की गई है।

भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए यात्रियों की सहायता और प्लेटफॉर्मों पर उचित कतार व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त आरपीएफ और जीआरपी कर्मियों को तैनात किया गया है। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ कर्मियों द्वारा ट्रेनों की सुरक्षा की जा रही है। सीसीटीवी निगरानी चौबीसों घंटे की जा रही है और भीड़ प्रबंधन के लिए संवेदनशील स्टेशनों पर एक समर्पित वॉर रूम स्थापित किया गया है। पश्चिम रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों को परिचालन की निगरानी और यात्रियों की सहायता के लिए चौबीसों घंटे तैनात किया गया है।

पश्चिम रेलवे द्वारा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और प्रेस विज्ञप्तियों के माध्यम से सभी स्पेशल ट्रेनों एवं यात्री सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार भी सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि यात्रियों को ट्रेन सेवाओं के बारे में पूरी जानकारी मिलती रहे। पश्चिम रेलवे सभी यात्रियों से अपील करती है कि वे इस त्योहारी सीजन के दौरान सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए रेल कर्मचारियों के साथ सहयोग करें और सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

चित्रांश महापरिवार द्वारा श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव की रजत जयंती हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

मुंबई, 24 अक्टूबर। मुंबई के मीरा रोड की प्रमुख सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था "चित्रांश महापरिवार" द्वारा भारतीय संस्कृति के महापर्व दीपावली के अवसर पर श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव के रजत जयंती समारोह का भव्य आयोजन गुरुवार , 23 अक्टूबर, 2025 को मुंबई के मीरा रोड (पूर्व) स्थित सुरभि जिमखाना परिसर में बड़ी ही श्रद्धा, गरिमा एवं हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

मुंबई के मीरा रोड में "चित्रांश महापरिवार" द्वारा आयोजित श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव के रजत जयंती समारोह के विभिन्न दृश्य।

यह जानकारी देते हुए चित्रांश महापरिवार के वरिष्ठ प्रतिनिधि राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि इस भव्य समारोह में चित्रांश समाज के लगभग 300 सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने भगवान चित्रगुप्त की आराधना कर समाज की एकता, संस्कृति और परम्परा के प्रति अपनी गहरी आस्था प्रकट की। पूजनोत्सव के रजत जयंती समारोह का शुभारम्भ वैदिक मंत्रोच्चार और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। भव्य रूप से सजाये गये मंच पर समाज के बच्चों और युवाओं ने सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिसमें भक्ति और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम देखने को मिला। सदस्यों द्वारा एकल और समूह गीत की प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। समारोह के दौरान चित्रांश समाज की उभरती प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। दसवीं और बारहवीं कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। श्री सिन्हा ने बताया कि इस पहल ने चित्रांश समाज में शिक्षा के बढ़ते हुए महत्व को रेखांकित किया और नई पीढ़ी को उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह और कोर समिति के सदस्यों को अंगवस्त्र प्रदान कर उनके योगदान का सम्मान किया गया। समारोह का विशेष आकर्षण संस्था के मुख्य संरक्षक अशोक सिन्हा की गरिमामयी उपस्थिति रहा।उन्होंने चित्रांश महापरिवार की छठ पूजा करने वाली सभी महिलाओं को श्रद्धास्वरूप एक साड़ी एवं पूजन सामग्री भेंट कर उनके भावनात्मक समर्पण को सम्मानित किया। उनके इस योगदान ने समाज में सेवा और एकता की भावना को और सशक्त बनाया। पूरे आयोजन को सफल बनाने में संस्था के अध्यक्ष बी. आर. सिन्हा, सचिव अजीत वर्मा और कोर समिति के सभी सदस्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। उनके संयुक्त प्रयासों, सामंजस्य और समर्पण ने समारोह को सुव्यवस्थित और यादगार बना दिया। एक एक विशेष आकर्षण था समारोह की स्मारिका का प्रकाशन। इस सुंदर और संग्रहणीय स्मारिका का सम्पादन वरिष्ठ साहित्यकार राजेश कुमार सिन्हा ने किया तथा इसमें अजीत वर्मा का प्रमुख सहयोग रहा। स्मारिका में संस्था की गतिविधियों, समाज के प्रबुद्ध विचारों और सांस्कृतिक मूल्यों का संकलन किया गया है, जो भविष्य में समाज के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। पूरे समारोह में श्रद्धा, समर्पण, और समाज के प्रति एकता की भावना स्पष्ट रूप से झलकती रही। सभी उपस्थित सदस्यों ने ईश्वर से यह प्रार्थना की कि चित्रांश समाज सदैव संगठित, सशक्त और प्रगतिशील बना रहे तथा भगवान चित्रगुप्त जी का आशीर्वाद सभी पर सदा बना रहे।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक ने किया अहमदाबाद स्टेशन का दौरा

त्योहारों के मद्देनजर यात्री सुविधाओं का निरीक्षण तथा भीड़ प्रबंधन व्यवस्थाओं की समीक्षा की

इस दौरान अहमदाबाद स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का जायजा भी लिया

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने 24 अक्टूबर 2025 को अहमदाबाद स्टेशन का दौरा किया। त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए महाप्रबंधक ने अहमदाबाद स्टेशन के विभिन्न क्षेत्रों जैसे होल्डिंग एरिया, प्लेटफॉर्म, फूटओवर ब्रिज, टिकट काउंटर, और सकुर्लेटिंग एरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने त्योहारों के दौरान आने वाली भीड़ को प्रभावी ढंग से संभालने हेतु किए गए प्रबंधों की समीक्षा की और अहमदाबाद स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का भी जायजा लिया।

अहमदाबाद स्टेशन पर निरीक्षण के दौरान श्री गुप्ता ने कालूपुर ब्रिज से सारंगपुर के बीच बन रहे रोड ओवर ब्रिज (फ्दइ) का निरीक्षण किया तथा सरसपुर दिशा में बनाए गए होल्डिंग

एरिया एवं प्लेटफॉर्म संख्या 8 के समीप ठलरफ्छ बिल्डिंग के नीचे तैयार होल्डिंग एरिया का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने यात्रियों से संवाद भी किया।

निरीक्षण के पश्चात श्री गुप्ता ने मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए रेलवे द्वारा किए गए व्यापक प्रबंधों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय रेल द्वारा वर्तमान त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा हेतु 12,000 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जिनमें से 2,000 से अधिक ट्रेनें पश्चिम रेलवे द्वारा संचालित की जा रही हैं। पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद, साबरमती, असारवा, उधना, बांद्रा टर्मिनस आदि प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, जहाँ पेयजल, टॉयलेट, सीसीटीवी निगरानी, टिकटिंग और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

महाप्रबंधक ने बताया कि भारतीय रेलवे के 12 लाख से अधिक कर्मचारी चौबीसों घंटे यात्रियों की सुरक्षित एवं सुचारू यात्रा सुनिश्चित करने में लगे हुए हैं, जिनमें पश्चिम रेलवे के लगभग 80000 से 90000 कर्मचारी भी सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद एरिया से दिवाली पर्व के दौरान 1.5 लाख से अधिक यात्रियों को सफलतापूर्वक उनके गंतव्य तक पहुँचाया गया है और अब छठ पूजा के अवसर पर संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त स्पेशल एवं अनारक्षित स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

स्टेशन निरीक्षण के पश्चात श्री गुप्ता ने अहमदाबाद-विरमगाम सेक्शन का विंडो ट्रेलिंग संरक्षा निरीक्षण किया, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चरल कार्यों, रेलवे ट्रैक, लेवल क्रॉसिंग तथा पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग की स्थिति का विस्तृत अवलोकन किया गया।

इस अवसर पर अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश, मुख्य परियोजना प्रबंधक (फ्छऊअ) श्री संजीव कुमार सहित अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारी भी उपस्थित रहे।

शाखा प्रबंधक ने फर्जी मुकदमे में फसाने की दिया धमकी जाति सूचक दिया गाली, पीड़ित ने शाखा प्रबंधक पर लगाया गंभीर आरोप

(जीएनएस)।

थाना क्षेत्र के सैदापुर चौराहा स्थित बैंक ऑफइंडिया से बसहरीगांव के एक व्यक्ति ने दुकान हेतु लोन लिया था। किश्तें न जमा होने से बैंक मैनेजर ने गुरुवार को ग्राहक से किश्तें जमा करने को कहा,इस

प्रग्रहक ने किश्तें न जमा होने पर बीमारी का हवाला दिया। ग्राहक राजेश कुमार का आरोप है कि शाखाप्रबंधक ने बीमारी की बात सुनते ही अभद्रता से बात करने लगे और कहने लगे कि मैने लोन की राशि अपने पास से दी आज ही जमा करो। पीड़ित का आरोप है कि इसके बाद शाखा प्रबंधक प्रशांत शुक्ला डेढ़ बजे ताला लेकर दुकान पर आ पहुंचे और शटर बंद करने लगे। ग्राम सभा से लोक सभा तक वायरल वीडयो की

पुष्टि नही करता है जब मैने विरोध किया तो जाति सूचक गालियां देते हुए जन से मार डालने की धमकी देने के साथ ही आज ही लोन पूरा जमा करने को कहने लगे।जब मैने कहा कि तबियत ठीक होने के पर शीघ्र ही सारा पैसा जमा कर देंगे।इस पर भी प्रबंधक अभद्रता करते रहे। यह देख पड़ोसी इकट्ठे हो गए और मैनेजर से बैंक की सीमा में रहकर बात करने को कहा। इसके बाद मैनेजर महोदय आपा खो बैठे और पीड़ित राकेश को जेल भेजवाने की धमकी देने लगे।पीड़ित ने अपने को अपमानित और बेइज्जत होने से आहत होकर मक थाना अध्यक्ष नबाब अहमद से न्याय की गुहार लगायी है। इंस्पेक्टर ने बताया कि तहरीर मिली है जांच की जा रही है।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं जोधपुर के बीच चलाएगी एक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मुंबई, 24 अक्टूबर, 2025

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीजन दौरान उनकी यात्रा माँग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं जोधपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 04834/04833 बांद्रा टर्मिनस – जोधपुर सुपरफास्ट स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 04834 बांद्रा टर्मिनस – जोधपुर सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से 10:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11:25 बजे जोधपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 27 अक्टूबर, 2025 को चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04833 जोधपुर – बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल रविवार को जोधपुर से 06:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 26 अक्टूबर 2025 को चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, वनस्थली निवाई, दुर्गापुरा, जयपुर, आसलपुर जोबनेर, फुलेरा, कुचामन सिटी, मकराना, डेगाना और मेड़ता रोड स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 04834 की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर 26 अक्टूबर, 2025 से शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

सतीश शाह ने एक ही शो में निभाए थे 50 से ज्यादा किरदार

(जीएनएस)।

मशहूर अभिनेता सतीश शाह का 25 अक्टूबर 2025 को 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे लंबे समय से किडनी संबंधी बीमारी से जूझ रहे थे। अपने शानदार अभिनय और अद्भुत कॉमिक टाइमिंग के लिए पहचाने जाने वाले सतीश शाह ने हिंदी सिनेमा और टेलीविजन दोनों में अमिट छाप छोड़ी।

सतीश शाह का जन्म 25 जून 1951 को बॉम्बे (अब मुंबई) में हुआ था। वे गुजराती मूल से थे और उन्होंने अपनी शिक्षा जेवियर कॉलेज से पूरी की। अभिनय की कला में महारत हासिल करने के लिए वे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (FTII) से जुड़े। बचपन से ही उन्हें अभिनय का शौक था, जिसे उन्होंने मेहनत और लगन से अपना करियर बना लिया।

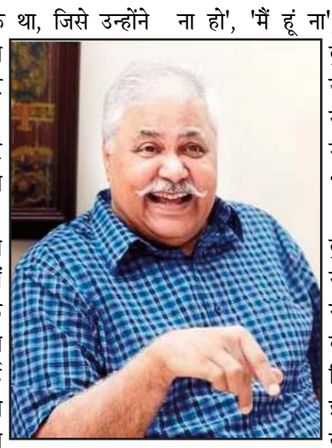

फिल्म और टीवी का सुनहरा सफर

सतीश शाह ने अपने करियर में 250 से अधिक फिल्मों में काम किया और कई लोकप्रिय टीवी धारावाहिकों का हिस्सा रहे। उन्होंने 1978 में फिल्म 'अरविंद देसाई की अजीब दास्तान' से अपना फिल्मी सफर शुरू किया और जल्द ही 'जाने भी दो यारो', 'कल हो ना हो', 'मैं हूं ना', और 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' जैसी सुपरहिट फिल्मों में यादगार भूमिकाएँ निभाईं।

टीवी की दुनिया में उनका सबसे चर्चित शो रहा 'साराभाई वर्सेस साराभाई', जिसमें उन्होंने इंद्रवदन साराभाई का किरदार निभाया। यह किरदार आज भी दर्शकों के दिलों में ज़िंदा है। इससे पहले उन्होंने टीवी शो 'ये जो है जिंदगी' में 55 एपिसोड में 55 अलग-अलग किरदार निभाकर अपने अभिनय कौशल का लोहा मनवाया था।

अन्य योगदान और उपलब्धियां

सतीश शाह न केवल एक कुशल अभिनेता थे, बल्कि निमार्ता भी रहे। उनकी पत्नी मधु शाह एक प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर हैं। साल 2008 में उन्होंने अर्चना पूरन सिंह के साथ 'कॉमेडी सर्कस' में जज की भूमिका निभाई। इसके अलावा, 2015 में उन्हें ऋळक्क सोसाइटी का सदस्य नियुक्त किया गया था। उन्होंने टीवी शो 'फिल्मी चक्कर', 'घर जमाई', और 'ऑल द बेस्ट' में भी शानदार काम किया। उनकी जोड़ी अभिनेत्री रत्ना पाठक शाह के साथ दर्शकों को बेहद पसंद आई।

अभिनय की विरासत

सतीश शाह अपने हास्य और यथार्थपूर्ण अभिनय के लिए सदैव याद किए जाएंगे। उनके किरदारों में सहजता, गहराई और मानवीय भावनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिलता था। उन्होंने अपने अभिनय से जो मुस्कानें दर्शकों को दीं, वे आने वाले वर्षों तक हिंदी सिनेमा में गूंजती रहेंगी।

मुश्किल है तथ्य का सामना क्योंकि इसकी कोई काट नहीं होती

वो जितना चाहें उतना समय ले लें। एक महीना, दो महीने, छह महीने। बस किसी वेद का एक मंत्र दिखा दें।

ज़ी टीवी के मैनेजमेंट ने इस पत्रकार के तथ्य को स्वीकार कर लिया, क्योंकि तथ्य की कोई काट नहीं होती।

मुश्किल है तथ्य का सामना क्योंकि इसकी कोई काट नहीं होती तथ्य का सामना कोई नहीं कर सकता। ये नियम इस पत्रकार ने अपने 47 साल के अनुभव से सीखा है। एक उदाहरण। वर्ष 1998 में ये संवाददाता ज़ी टीवी पर एक कार्यंव्रम एंकर करता था, आप की अदालत, आप का फ़ैसला। उस में दो मेहमान आमने-सामने होते थे।

एक एपिसोड में एक हिन्दू विरोधी, वामपंथी इतिहासकार, को पूरी तरह से बेनक ाब कर दिया गया। उस एपिसोड का विस्तृत वर्णन अरुण शौरी की किताब 'एमिनेंट हिस्टोरियंज़' में है।

अरुण शौरी खुद भी उस एपिसोड में एक पैनेलिस्ट थे, और दूसरे पैनेलिस्ट थे प्रोफ़ेसर के. ऍम. श्रीमाली। प्रोफ़ेसर श्रीमाली दिल्ली विश्वविद्यालय में प्राचीन भारत का इतिहास पढ़ाते थे। वो उन वामपंथी प्रोफ़ेसरों में थे जिन्होंने जान-बूझ कर इतिहास के छात्रों को गुमराह करने का बीड़ा उठाया था। सौभाग्य से प्रोफ़ेसर श्रीमाली के झूठ का सामना कार्यांम में तथ्य से हो गया। प्रोफ़ेसर श्रीमाली बहुत छटपटाये। लेकिन वो एक बार एक्सपोज़ हो गए, तो अपने झूठ पर वापस नहीं लौट पाए।

इत्तेफ़ाक ऐसा हुआ कि ये संवाददाता एपिसोड से एक दिन पहले प्रोफ़ेसर श्रीमाली के घर पर उन्हें न्योता देने गया। इस संवाददाता के तीन रिसर्चर भी साथ में थे। बातों बातों में प्रोफ़ेसर श्रीमाली के मुंह से निकल गया कि प्राचीन भारत में गाय का मांस खाया जाता था। इस विषय पर इस संवाददाता ने कोई विरोध नहीं किया, क्योंकि ये तथ्य था। प्राचीन भारत में राक्षस गाय का मांस खाते थे। लेकिन प्रोफ़ेसर श्रीमाली की नीयत में खोट था। उन का मक सद था कि सनातनी हिन्दू की आस्था पर ऐसी चोट की जाए कि उस की मान्यता जड़ से ही ध्वस्त हो जाए।

वामपंथी श्रीमाली यहीं नहीं रुके।

उन्होंने ये भी कहा कि प्राचीन भारत में ब्रा१ण गाय का मांस खाते थे।

अपने झूठ को और घातक बनाते हुए वामपंथी प्रोफ़ेसर ने कहा कि प्राचीन भारत में वेदों की अनुमति से नहीं, वेदों की आज्ञा से ब्रा१ण गाय का मांस खाते थे।

इस संवाददाता ने अपने तीनो रिसर्चरों को इशारा किया कि वो चुप रहें।

चुनावी मुद्दे जीवंत हैं

दीपावली के दूसरे दिन से दिल्ली मुंबई से छठ पूजा के लिए बिहार जाने वालों की भीड़ मैं दशकों से देख रहा हूं पर हर वर्ष इस पर सत्ता और विपक्ष के बीच जो आरोपों और प्रत्यारोपों का जो सिलसिला चलता है वो हास्यास्पद है।

इस बार भी दीपावाली के एक दो दिन बाद की मुंबई रेलवे स्टेशन सेबिहार की ओर जाने वाली ट्रेनों में भेड़ बकरियों की तरह ठूस कर जाने वाली भीड़ को पोस्ट करते हुए राष्ट्रीय जनता दल की तेज तर्रार प्रवक्ता प्रियंका भारती ने यह एहसास दिलाने की कोशिश की कि एन डी ए सरकार के बिहार के लोगों के प्रति उदासीनता के कर्ण ऐसी स्थिति आई है वही दूसरी ओर एन डी ए के प्रवक्ता यह दिखाने में लगे थे कि दिल्ली और मुम्बई जैसे शहरों छठ पूजा के पर्व पर जाने वालों के लिए 1400से अधिक ट्रेनें चलाई जा रही हैं और जो लोग यही रहकर छठ पूजन करना चाहते हैं उनके लिए उपयुक्त व्यवस्था की गई है।

मंडला में स्कूल यूनिफॉर्म में शराब खरीदने पहुंची छात्राओं का क्या हैं पूरा सच, जानिए, एसडीएम का बड़ा खुलासा!

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के मंडला जिले के नैनपुर में एक ऐसी घटना सामने आई, जिसने पूरे समाज को स्तब्ध कर दिया। स्कूल यूनिफॉर्म पहने कुछ छात्राओं ने शराब की दुकान पर पहुंचकर नशे का सामान खरीदा, और दुकानदार ने बिना किसी हिचकिचाहट के उन्हें शराब बेच दी। सीसीटीवी फुटेज वायरल होने के बाद एसडीएम आशुतोष ठाकुर ने दुकान का निरीक्षण किया, और मामले की पुष्टि करते हुए कार्रवाई का ऐलान किया।

आबकारी अधिकारी रामजी पांडे ने बताया कि छात्राओं की उम्र की जांच की जाएगी, और अवयस्क को शराब बेचना जीएलसी (जनरल लाइसेंस कंडीशन) का स्पष्ट उल्लंघन है। पूरा प्रकरण कलेक्टर को भेजा जा रहा है।

इस घटना ने न केवल आबकारी विभाग की लापरवाही उजागर की, बल्कि पूर्व विधायक और कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले ने इसे 'सरकार की विफलता' करार देते हुए तीखा हमला बोला। "विद्या के मंदिर में रहने वाली बच्चियां शराब दुकान पर? यह इखढ राज का काला अध्याय है!" आइए, इस शर्मनाक घटना की पूरी परतें खोलते हैं-वीडियो से लेकर जांच, राजनीतिक रंग और

समाज पर असर तक।

घटना का शर्मनाक चेहराः यूनिफॉर्म में दुकान पर छात्राएं, दुकानदार ने बेच दी शराब

नैनपुर-मंडला जिले का एक शांत कस्बा-गुरुवार दोपहर एक वायरल वीडियो की वजह से सुर्खियों में आ गया। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि 4-5 छात्राएं स्कूल यूनिफॉर्म (लाल-नीली साड़ी जैसी ड्रेस) पहने शराब दुकान के सामने पहुंचीं। दुकान के काउंटर पर खड़ी होकर वे शराब की बोतल खरीदती नजर आ रही हैं। वीडियो में छात्राएं सिर पर दुपट्टा डाले हैं, ताकि पहचान छिपे, लेकिन यूनिफॉर्म उन्हें अलग नहीं होने देती। दुकानदार बिना किसी पूछताछ के उन्हें शराब सौंप देता है, और वे बोतलें लेकर चली जाती हैं।

घटना नैनपुर बाजार की एक सरकारी शराब दुकान पर हुई, जो स्कूल से महज 500 मीटर दूर है। वीडियो स्थानीय सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने शिकायत दर्ज की। एक दुकानदार ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, "ऐसी घटनाएं पहले भी हुई हैं, लेकिन दुकानदार लाइसेंस बचाने के लिए नजरअंदाज करते हैं। बच्चियां नाबालिग लग रही थीं।"

मंडला जिले में शराब की दुकानें स्कूलों के आसपास हैं, जो नशे के प्रति युवाओं को आकर्षित कर रही हैं। यह वीडियो नैनपुर के एक प्राइवेट स्कूल की छात्राओं से जुड़ा बताया जा रहा है, लेकिन स्कूल प्रशासन ने अभी कोई बयान नहीं दिया।

रउ्ट आशुतोष ठाकुर का खुलासाः 'दुकानदार ने बच्चियों को शराब बेची, कार्रवाई होगी'

वीडियो वायरल होते ही नैनपुर एसडीएम आशुतोष ठाकुर ने तुरंत दुकान का निरीक्षण किया। उन्होंने दुकानदार से पूछताछ की, सीसीटीवी फुटेज देखा और मामले की पुष्टि की। रउ्ट ने कहा, "यह बेहद शर्मनाक है। दुकानदार ने स्पष्ट रूप से अवयस्क छात्राओं को शराब बेची। हमने दुकान का स्टॉक चेक किया और लाइसेंस निलंबन की सिफारिश की है।" ठाकुर ने स्थानीय स्कूलों के प्रिंसिपल्स को नोटिस जारी किया और छात्राओं के परिवारों से बात करने का आदेश दिया।

आबकारी अधिकारी रामजी पांडे ने बताया, "छात्राओं की उम्र 18 वर्ष से कम या अधिक, इसकी जांच की जाएगी। अवयस्क को शराब बेचना जीएलसी का उल्लंघन है, जिसके लिए 3 साल की जेल और 50,000 जुमार्ना हो सकता है। पूरा प्रकरण तैयार कर कलेक्टर को भेजा जा रहा है। दुकान सील हो सकती है।" पांडे ने कहा कि मंडला जिले में 150 से अधिक शराब दुकानें हैं, और अवैध बिक्री रोकने के लिए छापेमारी बढ़ाई जाएगी। लेकिन सवाल यह है कि स्कूलों के पास दुकानें क्यों?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि आबकारी विभाग की मिलीभगत है।

पूर्व विधायक अशोक मर्सकोले का तीखा हमलाः 'विद्या मंदिर में रहने वाली बच्चियां शराब दुकान पर? इखढ राज की लापरवाही!'

इस घटना ने जल्द ही राजनीतिक रंग ले लिया। पूर्व विधायक और कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, "जिस समय इन बच्चियों को विद्या के मंदिर में होना चाहिए, वे अंग्रेजी शराब दुकान से बोतलें खरीद रही हैं। यह प्रदेश सरकार और आबकारी विभाग की बड़ी लापरवाही है। इखढ के राज में नशा युवाओं को खा रहा है, लेकिन कार्रवाई का नामोनिशान नहीं।"

योगी आदित्यनाथ ने कहा- उत्सव का वास्तविक आनंद तभी है जब हम किसी पीड़ित की सहायता के लिए खड़े हों

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पंजाब के लिए भेजे जा रहे बीबी-327 प्रजाति के 1000 क्विंटल गेहूं बीज को करण शिवानी नाम से जाना जाता है. यह रोग-प्रतिरोधी, पोषणयुक्त और उच्च उत्पादकता वाली बायो-फोटीफाईड प्रजाति है, जो 155 दिनों में तैयार हो जाती है और 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उपज देने में सक्षम है.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास से पंजाब के बाढ़ प्रभावित किसानों की मदद के लिए 1000 क्विंटल गेहूं बीज सहायता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व केवल उत्सव का नहीं, बल्कि सेवा और सहयोग की भावना का प्रतीक है. जब कोई समाज किसी पीड़ित के साथ खड़ा होता है, तभी उत्सव का वास्तविक आनंद मिलता है, मुख्यमंत्री ने कहा.

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार हर आपदा की घड़ी में जरूरतमंदों के साथ खड़ी रहती है. पंजाब के किसानों ने देश को अन्न आत्मनिर्भर बनाया है, आज जब वे संकट में हैं, तो उत्तर प्रदेश उनका सहयोग करेगा, उन्होंने कहा. मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण— तीनों मोर्चों पर सक्रिय रूप से कार्य कर रही है.

पंजाब के लिए भेजे गए बीज से मिलेगी नई उम्मीद

मुख्यमंत्री ने बताया कि पंजाब के लिए भेजे जा रहे बीबी-327 प्रजाति के 1000 क्विंटल गेहूं बीज को करण शिवानी नाम से जाना जाता है. यह

रोग-प्रतिरोधी, पोषणयुक्त और उच्च उत्पादकता वाली बायो-फोटीफाईड प्रजाति है, जो 155 दिनों में तैयार हो जाती है और 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उपज देने में सक्षम है. सीएम ने कहा कि यह बीज पंजाब के किसानों के लिए नई ऊर्जा और संबल का काम करेगा.

शनिवारवाड़ा में 3 महिलाओं के नमाज पढ़ने से मचा बवाल, कभी मराठों के गौरव का प्रतीक किला था

बीज निगम बना आत्मनिर्भरता का मॉडल

मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम ने पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है. निगम ने इस वर्ष 148 करोड़ रुपये का लाभांश अर्जित किया है और एक वर्ष में 37 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है. उन्होंने कहा, यह प्रमाण है कि यदि संस्थान ईमानदारी और निष्ठा से कार्य करें तो वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकते हैं, बल्कि किसानों को भी आत्मनिर्भर बना सकते हैं.

लखनऊ में बनेगा चौधरी चरण सिंह सीड पार्क

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जल्द ही लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की स्मृति में सीड पार्क की स्थापना होगी. इसके साथ ही प्रदेश में पांच अन्य नए सीड पार्कों के निर्माण की प्रक्रिया भी तेज की जा रही है. उन्होंने कहा कि समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज की उपलब्धता किसानों की लागत घटाती है और उत्पादन बढ़ाती है. उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के पास देश की मात्र 11% कृषि योग्य भूमि है, लेकिन वह भारत के कुल खाद्यान्न उत्पादन में 21% योगदान देता है. यह हमारे किसानों की मेहनत और सरकार की नीतिगत दक्षता का परिणाम है, सीएम योगी ने कहा.

मानवता और सहयोग की मिसाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब पंजाब, हिमाचल और उत्तराखंड में बाढ़ से तबाही हुई थी, तब भी यूपी सरकार ने राहत सामग्री और आर्थिक सहायता भेजी थी. हम किसी भी राज्य के नागरिकों को अकेला नहीं छोड़ेंगे. यह भारतीयता की भावना है, उन्होंने कहा. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुरु हरगोविंद जी महाराज की जयंती पर पंजाब के लोगों को शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि गुरु हरगोविंद जी का जीवन सेवा, त्याग और मानवता की प्रेरणा देता है.

योगी सरकार का संवेदनशील कदम

पंजाब में बाढ़ के दौरान जब किसानों के बीज भंडार नष्ट हो गए, तब यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तुरंत 1000 क्विंटल उच्च गुणवत्ता वाले गेहूं बीज निशुल्क भेजने का निर्णय लिया. यह कदम राज्यों के बीच मानवता और सहयोग की मिसाल बन गया. दिल्ली में एक बैठक में जब पंजाब के कृषि मंत्री ने बीज की कमी की बात रखी, तब सीएम योगी ने तुरंत बीज सहायता का आदेश दिया.

कार्यक्रम में उपस्थित

इस अवसर पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, पूर्व मंत्री एवं एमएलसी महेंद्र सिंह, यूपी बीज विकास निगम के उपाध्यक्ष राजेश्वर सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार, प्रमुख सचिव (सीएम कार्यालय) संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव कृषि रविंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे.

'घर की मुर्गी दाल बराबर', नितिन गडकरी आखिर भाजपा नेतृत्व से क्यों हुए नाराज? जमकर निकाला गुस्सा

(जीएनएस)।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की छवि एक कट्टर संघी और ईमानदार भाजपा नेता की है। छात्र जीवन से आरआरएस में सक्रिय रहे नितिन गडकरी अपने बेबाक अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं। नितिन गडकरी अब भाजपा के शीर्ष नेतृ व से नाराज नजर आ रहे हैं।

नितिन गडकरी ने भाजपा नेतृत्व को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि पार्टी को अपने पुराने और निष्ठावान कार्यकताओं की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि पुराने कार्यकताओं को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। यह बयान ऐसे समय आया है जब बीजेपी में अन्य दलों से आने वाले नेताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।

निनित गडकरी ने कलमेश्वर, नागपुर में एक सड़क निर्माण के भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान इस बात को दोहराया कि इनकमिंग नेताओं को लेकर उत्साह होना स्वाभाविक है, लेकिन पुराने कार्यकताओं की मेहनत और निष्ठा को नजरअंदाज करना पार्टी के लिए हानिकारक हो सकता है।

'आयाराम-गयाराम' संस्कृति का विरोध

गडकरी का यह संदेश सोलापुर

जिले में कार्यकताओं द्वारा 'आयाराम-गयाराम' संस्कृति का विरोध किए जाने के बाद आया। सोलापुर के कार्यकताओं ने कहा था कि यह संस्कृति मेहनती और वफादार कार्यकताओं के साथ अन्याय कर रही है। नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान, गडकरी ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए पार्टी नेतृत्व को सीधे तौर पर संबोधित किया।

'घर की मुर्गी दाल बराबर, बाहर से आया सावजी चिकन'

उन्होंने एक ग्रामीण मुहावरे का प्रयोग करते हुए कहा, "घर की मुर्गी दाल बराबर, बाहर से आया सावजी चिकन।" गडकरी ने समझाया कि जिस तरह सावजी लोग बाहर का चिकन मसाला अच्छा बनाते हैं, उसी तरह बाहरी लोगों को तरजीह दी जा रही है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि पुराने कार्यकताओं को नहीं भूलना चाहिए, क्योंकि वे ही पार्टी की असली ताकत हैं।

गडकरी ने कहा- उन्हें संभालिए, उनकी कद्र कीजिए..

गडकरी ने आगे कहा, "उन्हें संभालिए, उनकी कद्र कीजिए। अगर उन्हें नजरअंदाज किया तो जितनी तेजी से ऊपर जा रहे हैं, उतनी ही तेजी से नीचे गिर भी सकते हैं।" इस चेतावनी को भाजपा नेतृत्व के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है, जिसमें पार्टी को अपने मूल कार्यकताओं के प्रति सम्मान और निष्ठा बनाए रखने की अपील है।

वर्तमान में, बीजेपी महाराष्ट्र में जिला परिषदों और महानगरपालिकाओं पर कब्जा करने के मिशन में जुटी है, जिसमें मुंबई महानगरपालिका सबसे अहम है। हालांकि, अन्य दलों से लगातार नेताओं को शामिल करने की नीति ने पुराने कार्यकताओं में असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। सोलापुर सहित कई जिलों में इस 'इनकमिंग कल्चर' के खिलाफ कार्यकताओं में नाराजगी देखने को मिल रही है।

कब-कब करीब आए रूस-पाकिस्तान? क्या डिफेंस डील से भारत को है खतरा?

रूसी RD-93MA इंजनों की पाकिस्तान को आपूर्ति की खबर अभी कुछ दिन पहले ही सामने आई थी। जिसमें बताया गया कि पाकिस्तानी JF-17 ब्लॉक III फाइटर जेट की ताकत को बढ़ाने के लिए रूस उसे ये इंजन देने वाला है। इसको लेकर भारत में घरेलू राजनीतिक बहस छिड़ गई है। मॉस्को वास्तव में इन आपूर्तियों को आगे बढ़ा रहा है, जिसमें अपग्रेड किए गए वैरिएंट भी शामिल हैं, लेकिन क्या इस डील से ऐसा कहा जा सकता है रूस, भारत से ज्यादा पाकिस्तान के पाले में जा रहा है? आइए इसका इतिहास जानते हैं।

पुराना मुद्दा, नई बहस

जैसा कि कुछ आलोचकों ने आरोप लगाया है, रूस ने इन नियार्तों को रोकने के भारतीय अनुरोधों को नजरअंदाज किया है, तो यह कम से कम 2007 से ही ऐसा होता आया है। इसलिए, इस मुद्दे पर इस समय नए सिरे से ध्यान देने की आवश्यकता है। फिर भी, रूस के पाकिस्तान के साथ रक्षा जुड़ाव पर फिर से विचार करना इसके भविष्य के संदर्भ में आकलन करने के लिए महत्वपूर्ण है।

फ्ळ२२ं ढं' ऊीेल्लू ऊें'

रूस की दोतरफा हथियार आपूर्ति

रूस द्वारा पाकिस्तान को डिफेंस सिस्टम बेचने के इरादे के बारे में कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। रूसी सैन्य विशेषज्ञों ने लंबे समय से तर्क दिया है कि मॉस्को को दक्षिण एशिया के प्रति अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करना चाहिए और भारत और पाकिस्तान दोनों को हथियार प्रदान करके लाभ उठाना चाहिए। उनका कहना है कि अमेरिका और फ्रांस जैसे अन्य आपूर्तिकर्ता दोनों देशों को हथियार बेचने में सक्षम हैं, तो रूस क्यों नहीं?

भारत के साथ "विशेषाधिकार" की बहस

इसके बावजूद, रूस को अक्सर "भारत के साथ विशेष साझेदारी" के नाम पर खुद को प्रतिबंधित करने के लिए मजबूर किया गया है। इस्लामाबाद की हथियार खरीदने की कम कैपेसिटी और उसकी बिना भरोसे वाली विदेश नीति के चलते रूस सतर्क रहता है। रूसी एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इन तर्कों को ऐतिहासिक संदर्भ में देखना जरूरी है।

1990 के दशक से चली आ रही दुविधा

यह बहस 1990 के दशक की है जब मॉस्को पाकिस्तान को Su-27 विमान प्रदान करने वाला था। विदेश मंत्रालय के समर्थन और रूस-पाकिस्तान संबंधों में गर्मजोशी के बावजूद, सौदा अंततः छोड़ दिया गया। इसके बाद पाकिस्तान ने मिसाइलों, टैंकों, फ्रिगेट और तोपखानों की खरीद में रुचि दिखाई, लेकिन भारतीय आपत्तियों के कारण ये प्रस्ताव ठंडे बस्ते में चले गए।

पाकिस्तान को कम मदद और ट्ट-सीरीज हेलीकॉप्टर

फिर भी, रूस ने पाकिस्तान को 1996 से 2016 के बीच कई बैचों में Mi-17/171 परिवहन हेलीकॉप्टर और चार ट्ट-35ट लड़ाकू हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराए। जैसे-जैसे भारत ने रूसी हथियारों पर निर्भरता कम की, मॉस्को ने पाकिस्तान को डिफेंस सामग्री बेचकर "कमर्शियलाइजेशन" बढ़ाया।

पाकिस्तान की सीमित आर्थिक क्षमता

रूसी विशेषज्ञों ने 2019 में अनुमान लगाया था कि पाकिस्तान की संभावित मांग 8-9 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकती है। हालांकि, पाकिस्तान की कमजोर अर्थव्यवस्था और विदेशी कर्ज पर निर्भरता इसे असंभव बनाती है। किसी भी बड़े सौदे के लिए रूस को उसे लोन देना होगा, जो मॉस्को के लिए आर्थिक रूप से हानिकारक साबित हो सकता है।

चीन के माध्यम से इंजनों की आपूर्ति

2007 और 2010 में, रोसोबोरोनेक्सपोर्ट ने चीन को 250 फ्ळ-93 इंजन निर्यात किए, जिसमें 400 अतिरिक्त यूनिट्स का विकल्प था। इन सौदों में तीसरे देशों (जैसे पाकिस्तान) को ट्रांसफर करने की अनुमति भी थी। 2014 के रूस-पाकिस्तान सैन्य सहयोग समझौते के बाद, पाकिस्तान ने दावा किया कि वह सीधे रूस से इंजन खरीद सकेगा, हालांकि इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई।

पाकिस्तान की इंजन तकनीक पर निर्भरता

पाकिस्तान ने इंजन विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करने और मरम्मत सुविधाओं को आधुनिक बनाने के लिए रूस की मदद मांगी थी, लेकिन कोई ठोस समझौता नहीं हुआ। रूस ने केवल चीन के माध्यम से इंजन और स्पेयर पार्ट्स की डिलीवरी जारी रखी।

WS-13 इंजन बनाम RD-93 की विश्वसनीयता

चीन ने RD-93 को अपने हर-13 इंजन से बदलने की कोशिश की, लेकिन चीन और पाकिस्तान दोनों अभी भी रूसी इंजनों पर निर्भर हैं। फ्ळ-93, रूसी मिग-29 में उपयोग किए जाने वाले फ्ळ-33 का निर्यात संस्करण है, जबकि फ्ळ-93टअ उसका उन्नत संस्करण है, जो 9,300 किलोग्राम थ्रस्ट पैदा करता है।

यह विमान भारी पेलोड और उन्नत एवियोनिक्स ले जाने में सक्षम होता है। रक्ढफ्क डेटा के मुताबिक, 2007 से अब तक रूस ने पाकिस्तान को 200 से अधिक फ्ळ-93 इंजन उपलब्ध कराए हैं।

पवन सिंह क्यों नहीं लड़ रहे हैं बिहार चुनाव? हो गया खुलासा, भाजपा नेता ने बताया प्लान

(जीएनएस)।

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार और चर्चित सिंगर पवन सिंह इस बार बिहार विधानसभा चुनाव के मैदान में नहीं उतर रहे हैं। जब उन्होंने चुनाव से दूरी बनाई, तो हर कोई यही पूछने लगा कि आखिर ऐसा क्यों? अब इस सवाल का जवाब खुद बीजेपी के दिग्गज सांसद मनोज तिवारी ने दे दिया है। उन्होंने खुलासा किया कि पवन सिंह का फोकस विधानसभा नहीं, बल्कि लोकसभा चुनाव पर है।

मनोज तिवारी ने बताया पवन सिंह का बड़ा प्लान

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने शुक्रवार को बताया कि पवन सिंह ने खुद विधानसभा चुनाव लड़ने से इनकार किया है। उन्होंने कहा, "पवन सिंह विधायक नहीं, सांसद बनना चाहते हैं। वो बड़ा चुनाव लड़ना चाहते हैं और आगे हम उन्हें सही जगह से चुनाव लड़वाएंगे।"

मनोज तिवारी ने यह भी कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने ही पवन सिंह को आसनसोल से बीजेपी का टिकट दिलवाया था। हालांकि, बाद में पवन सिंह ने बगावत कर टिकट ठुकरा दिया और काराकाट से निर्दलीय मैदान में उतर गए, जहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

लोकसभा चुनाव में बगावत के बाद बीजेपी ने पवन सिंह को पार्टी से बाहर कर दिया था, लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव से पहले तस्वीर बदल गई। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी नेतृत्व ने आरएलएम प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा से पवन सिंह की सुलह

करवाई और पिछले महीने उन्हें दोबारा बीजेपी में शामिल कर लिया गया।

मनोज तिवारी ने दावा किया कि बिहार में एनडीए की स्थिति बेहद मजबूत है। उन्होंने कहा, "हम 200 सीटों की मांग कर रहे हैं, लेकिन अभी जो स्थिति है, उससे साफ है कि एनडीए 175 से ज्यादा सीटें जीतने की ओर बढ़ रहा है।"

वहीं, पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह काराकाट सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रही हैं। वह घर-घर जाकर जनसंपर्क कर रही हैं और उन्होंने हाल ही में खेसारी लाल यादव से अपने प्रचार के लिए मदद मांगी है।

ज्योति ने बताया कि उनकी खेसारी से फोन पर बात हुई थी। उन्होंने कहा, "खेसारी भइया ने कहा था कि भाभी, जहां जरूरत हो, बताइएगा, मैं जरूर आऊंगा। अब मैं उनसे अनुरोध करूंगी कि मेरे प्रचार में एक दिन का समय जरूर निकालें।"

पवन-ज्योति विवाद और लखनऊ वाला हंगामा

पवन सिंह और ज्योति सिंह के बीच विवाद किसी से छिपा नहीं है। कुछ दिन पहले ज्योति अपने पति से मिलने लखनऊ के फ्लैट पर पहुंचीं, जहां दोनों के बीच लंबी बातचीत हुई। इसके बाद पुलिस पहुंची और वहां जमकर हंगामा हुआ। ज्योति ने एक वीडियो जारी कर कहा, "पवन जी ने मेरे खिलाफ त्र्क्र्क कराई है, मैं बहुत परेशान हूं। अब इस घर से मेरी लाश ही निकलेगी।" यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था, जिसके बाद कई फैंस ने दोनों को सुलह की सलाह दी।

ज्योति ने चुनाव खर्च के लिए मांगी पब्लिक से मदद

ज्योति सिंह ने 23 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर लोगों से चुनावी फंड में मदद की अपील की थी। उन्होंने लिखा था, "मैं एक सामान्य महिला हूं, समाज में राम और कृष्ण को भी बहुत कुछ सहना पड़ा। कुछ लोग मुझे गलत कह रहे हैं, लेकिन मैं सच के लिए लड़ूंगी।"

बाद में उन्होंने यह पोस्ट डिलीट कर दी, लेकिन तब तक सोशल मीडिया पर उनके बयान पर बहस छिड़ गई थी। किसी ने उनके साहस की तारीफ की, तो किसी ने तंज कसते हुए लिखा, "भारत कभी अमेरिका या जापान नहीं बन सकता, यहां चुनाव लड़ने वालों को भी जनता से चंदा मांगना पड़ता है।"

अब आगे क्या?

भले ही पवन सिंह ने इस बार विधानसभा चुनाव से दूरी बना ली हो, लेकिन मनोज तिवारी के बयान से यह साफ है कि बीजेपी उनके लिए कोई बड़ा चुनावी रोल तैयार कर रही है। वहीं, ज्योति सिंह का प्रचार अभियान और खेसारी से मदद की अपील यह दिखा रही है कि इस चुनाव में भोजपुरी इंडस्ट्री का ग्लैमर तड़का अब भी बरकरार है।

पीएम मोदी की हत्या की साजिश नाकाम? ढाका में मारा गया अमेरिकी एजेंट! रूस ने क्या मदद की?

(जीएनएस)।

अमेरिका और उसकी खुफिया एजेंसी, सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (उक्अ), दुनिया भर में अपने कुख्यात कारनामों के लिए जानी जाती है। यह एजेंसी शासन-विरोधी गतविधियों को बढ़ावा देने, नागरिक विद्रोहों को भड़काने, वैध सरकारों को गिराने और अमेरिकी प्रभुत्व की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए जियो-पॉलिटिकल समीकरण बदलने में माहिर मानी जाती है। दक्षिण एशिया में उक्अ की सक्रियता कोई नई बात नहीं है। लेकिन अब इसके निशाने पर भारत के आने की खबरें सामने आ रही हैं।

दक्षिण एशिया में उक्अ की पुरानी भूमिका

1979 के सोवियत आक्रमण के दौरान अफगानिस्तान में अमेरिकी गतिविधियों से लेकर बांग्लादेश और नेपाल में हालिया शासन अस्थिरता तक, यह एक खुला रहस्य है कि दक्षिण एशियाई राजनीतिक घटनाओं के पीछे अक्सर उक्अ की भूमिका रहती है।

ढाका में अमेरिकी अधिकारी की रहस्यमयी मौत

ड१ॅल्लरी१.ङ्ग१ॅ की रिपोर्ट के मुताबिक 31 अगस्त को बांग्लादेश की राजधानी ढाका के एक होटल में अमेरिकी स्पेशल फोर्सेज ऑफिसर टेरेंस अर्वेल जैक्सन की रहस्यमयी मौत ने दक्षिण एशिया में अमेरिकी खुफिया गतिविधियों पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। यह शक जताया जा रहा है कि क्या अमेरिकी अधिकारी भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को

निशाना बनाने के मिशन पर था?

संभावित हत्या की साजिश और भारत-रूस की भूमिका

कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हत्या की साजिश रची गई थी, जिसे भारत और रूस की खुफिया एजेंसियों के संयुक्त अभियान ने विफल कर दिया। जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट ढाका में अमेरिकी अधिकारी की मौत को इसी घटनाक्रम से जोड़ते हैं। रिपोर्टों के अनुसार, टेरेंस जैक्सन को बांग्लादेश सेना को प्रशिक्षित करने के बहाने सेंट मार्टिन द्वीप पर भेजा गया था।

मोदी-पुतिन की गुप्त बातचीत और उसी दिन हुई मौत

जिस दिन टेरेंस अर्वेल जैक्सन मृत पाए गए, उसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन में थे। इस दौरान मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कार के भीतर 45 मिनट तक निजी बातचीत की। विश्लेषकों का मानना है कि इस बैठक में दोनों नेताओं ने उस साजिश और गुप्त ऑपरेशन पर चर्चा की, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिकी अधिकारी ढाका में निष्क्रिय किया गया।

मोदी का रहस्यमयी बयान – "क्या आप इसलिए ताली बजा रहे हैं कि मैं वापस आ गया?"

प्रधानमंत्री मोदी के 2 सितंबर को दिए गए एक बयान ने इन अटकलों को और बल दिया। चीन से लौटने के अगले दिन सेमीकॉन शिखर सम्मेलन में उन्होंने कहा, "क्या आप इसलिए ताली बजा रहे हैं क्योंकि मैं चीन गया था या इसलिए क्योंकि मैं वापस आ गया?" विशेषज्ञों के अनुसार, यह टिप्पणी संकेत देती है कि प्रधानमंत्री किसी गंभीर खतरे से गुजरे थे।

भारत को अस्थिर करने की कोशिशों का लंबा इतिहास

CIA द्वारा भारत को अस्थिर करने या नई दिल्ली में अराजकता फैलाने की कोशिश कोई नई बात नहीं है। दशकों से अमेरिका भारत में हस्तक्षेप की कोशिश करता रहा है। लेकिन अब ये प्रयास और भी मुखर और आक्रामक हो गए हैं, क्योंकि नई दिल्ली में एक मजबूत और राष्ट्रवादी नेतृत्व मौजूद है जो विदेशी दबाव के आगे झुकने को तैयार नहीं।

भारत की संप्रभुता और आत्मनिर्भर नीति

दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर भारत हमेशा संप्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता को प्राथमिकता देता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने बार-बार यह दिखाया है कि वह बाहरी ताकतों की धमकियों या दवाबों के आगे नहीं झुकेगा।

विदेशी दबावों के बावजूद भारत सख्त

चाहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का यह दावा हो कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रोकने में भूमिका निभाई, या भारत का रूसी तेल खरीदना हो, या वैश्विक व्यापार में अपनी शर्तों पर बातचीत करना – भारत अब दृढ़ और आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में उभरा है। यह नया भारत किसी भी परिस्थिति में अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा।

भारत की सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं

भारत की स्वतंत्रता के बाद का यह नया युग कुछ विदेशी शक्तियों को असहज कर रहा है।

प्रभास स्टारर 'फौजी' में संस्कृत श्लोक क्यों? निर्देशक हनु राघवपुड़ी ने बताई बड़ी वजह

(जीएनएस)।

फौजी' इस वक्त सबसे ज्यादा चर्चित पैन-इंडिया फिल्मों में से एक है। यह 'बाहुबली' के बाद पहली बार होगा जब प्रभास एक पीरियड ड्रामा में नजर आएंगे, जहां वो आजाद हिंद फौज के एक सैनिक का किरदार निभाते नजर आएंगे।

डायरेक्टर हनु राघवापुडी ने अपनी आने वाली फिल्म 'फौजी' के बारे में बात की, जिसमें प्रभास लीड रोल में हैं। यह फिल्म भारत के आजादी से पहले के समय पर आधारित है और इसमें देशभक्ति, गहरी भावनाएँ और जिंदगी के महत्वपूर्ण विचार देखने को मिलने वाले हैं।

ऋ्र'

कहते हैं कि कहानी को और असरदार बनाने के लिए राघवापुडी ने कहा, "हमने जानबूझकर संस्कृत श्लोकों का इस्तेमाल किया क्योंकि ये हमारे योद्धा की कहानी में गहराई और अर्थ जोड़ते हैं। लेकिन यह कोई पौराणिक फिल्म नहीं है। हमने सिर्फ भगवद गीता से दार्शनिक प्रेरणा ली है। 'फौजी' एक ताकतवर देशभक्ति ड्रामा है जो ब्रिटिश काल में इंसानी भावनाओं और सामाजिक-राजनीतिक तनावों को दिखाती है, जिनका असर आज भी दुनिया भर में महसूस किया जाता है।"

फिल्म में शामिल संस्कृत श्लोक हैं, पद्मव्यूह विजयी पार्थः पाण्डवपक्षे संस्थित कर्णः। गुरुविरहितः एकलव्यः जन्मनैव च योद्धा एषः॥ इतिहास के

छुपे अध्यायों से एक सैनिक की सबसे बहादुर कहानी।

डायरेक्टर हनु राघवपुड़ी, जो सीता रामम जैसी खूबसूरत फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, इस बार फौजी को एक बड़े पैमाने पर बना रहे हैं। कहा जा रहा है कि यह फिल्म अपने मुख्य किरदार के साहस और उसके भीतर चल रहे संघर्षों को दिखाएगी।

प्रभास, जो हाल के समय में अलग-अलग तरह के किरदार निभा रहे हैं, इस फिल्म में एक ऐसे जटिल किरदार में नजर आएंगे जो अपने फर्ज, भावनाओं और विचारों के बीच उलझा हुआ है।

कट्टरपंथ को रोकने में समुदाय की भूमिका

साभार-इंशा वारसी

कट्टरपंथ हमारे समय की सबसे जटिल चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है, जो जातीय, धरमिक और राजनीतिक सीमाओं से परे समाजों को प्रभावित कर रहा है। हालाँकि यह शब्द अक्सर भय और विभाजन पैदा करता है, कट्टरपंथ के इर्द-गिर्द होने वाला ज़्यादातर सार्वजनिक विमर्श समझ से ज़्यादा सनसनीखेज होता है। मीडिया के आख्यान, राजनीतिक बयानबाज़ी और यहाँ तक कि सोशल मीडिया के रुझान भी इसे विशिष्ट समूहों से जुड़े एक अपरिहार्य या व्यापक खतरे के रूप में चित्रित करते हैं, जो समुदायों को अलग-थलग कर सकता है और उसी समस्या को और बदतर बना सकता है जिसका वे समाधान करना चाहते हैं। सच तो यह है कि सबसे स्थायी समाधान घबराहट से प्रेरित प्रतिक्रियाओं में नहीं, बल्कि समुदायों को शिक्षा, सहानुभूति और सामाजिक समावेशन के माध्यम से रोकथाम की पहली पंक्ति के रूप में कार्य करने के लिए सशक्त बनाने में निहित है। कट्टरपंथ रातोंरात नहीं होता; यह एक क्रमिक प्रक्रिया है जो व्यक्तिगत शिकायतों, पहचान के संकट, सामाजिक अलगाव या कथित अन्याय से प्रभावित होती है। पूरे समुदायों या धर्मो को शैतानी बताने वाली सनसनीखेज कवरेज न केवल इस जटिलता को विकृत करती है, बल्कि उन व्यक्तियों को भी अलग-थलग कर